



रुई बाजार में गणपति महाराज को अर्पित किया छप्पन भोग

गढ़ाकोटा। नगर में गणेश उत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। गणेश पंडालों में प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नगर के रुई बाजार में बुधवार शाम भगवान श्री गणेश की महाआरती एवं छप्पन भोग का आयोजन किया गया। रुई बाजार में पिछले 40 वर्षों से अधिक समय से गणेश प्रतिमा विराजमान करने की परंपरा चली आ रही है। इस वर्ष यहां अष्ट भुजाधारी भगवान श्री गणेश जी की आकर्षक प्रतिमा स्थापित की गई है। बुधवार को आयोजित विशेष पूजन में पुजारी द्वारा विधि-विधान से भगवान गणेश का पूजन कराया गया। इसके बाद भगवान को विभिन्न प्रकार के पकवानों एवं व्यंजनों से सजे छप्पन भोग का प्रसाद अर्पित किया गया। महा आरती के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को छप्पन भोग का प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन में पं. श्रीराम भार्गव, अभिषेक भार्गव, नगर पालिका अध्यक्ष संगीता मनोज तिवारी, दिनेश लहरिया सहित जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में महिलाएं एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भारतीय सेना हेतु अग्निवीर भर्ती रैली 30 सितंबर से

सागर। भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती हेतु रैली का आयोजन 30 सितंबर से 14 अक्टूबर तक शासकीय इंद्रिया गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज, सागर के ग्राउंड परिसर में किया जा रहा है। उक्त भर्ती रैली में शिवपुरी, दतिया, ग्वालियर, भिण्ड, मुरैना, श्योपुर, सागर, टीकमगढ़, निवाड़ी एवं छतरपुर कुल 10 जिलों के आवेदकों को सम्मिलित किया गया है। रैली के सफलतापूर्वक आयोजन हेतु कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल द्वारा विभिन्न विभागों को दायित्व सौंपे गए हैं।

गणेश विसर्जन को लेकर नरेन नदी घाट पर तैयारियां तेज

खुरई। आगामी गणेश विसर्जन पर्व को लेकर नगर पालिका परिषद खुरई द्वारा नरेन नदी घाट पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेश मेहतेले ने अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ घाट पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने सुरक्षा, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और घाट निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विसर्जन से पहले सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी की जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। सीएमओ मेहतेले ने स्वच्छता पर्यवेक्षक नीतेश श्रीवास्तव को घाट परिसर में साफ-सफाई और रेंजर लगाव के निर्देश दिए। वहीं प्रकाश व्यवस्था प्रभारी वीरेंद्र सिंह ठाकुर को रात्रि में विसर्जन को देखते हुए पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा। नगर पालिका का उद्देश्य है कि गणेश विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण मिल सके।

सात दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का समापन

सागर। भारत स्काउट एवं गाइड द्वारा ब्राइट कैरियर स्पेशल अकेडमी, मकरनिया में आयोजित सात दिवसीय संभाग स्तरीय बेसिक गाइड कैम्प एवं रेंजर लीडर प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। शिविर में सागर, दमोह, छतरपुर एवं पन्ना जिले के प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर के दौरान प्रतिभागियों को स्काउटिंग गतिविधियों के साथ जीवन जीने की कला, अनुशासन, सेवा भावना और नेतृत्व क्षमता का प्रशिक्षण दिया।

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री ने बूथ से जिला स्तर तक पूरे वर्ष सक्रिय रहने पर दिया जोर पुराने कार्यकर्ता भाजपा की संचित शक्ति, उनके अनुभव को सहेजना संगठन की जिम्मेदारी : अजय जामवाल

हरिभूमि न्यूज | सागर

भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने कहा कि पुराने कार्यकर्ता पार्टी की संचित शक्ति हैं। कठिन परिस्थितियों में संगठन को खड़ा करने वाले इन कार्यकर्ताओं के अनुभव और योगदान को सहेजना संगठन की जिम्मेदारी है। वरिष्ठ एवं पुराने कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों से निरंतर संपर्क रखा जाए तथा नई पीढ़ी को उनके संघर्ष और समर्पण से परिचित कराया जाए। वे गुरुवार को सागर में आयोजित भाजपा की संभागीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक को प्रदेश महामंत्री एवं संभाग प्रभारी गौरव रणदिवे तथा जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी ने भी संबोधित किया। बैठक में प्रदेश शासन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, धर्मेश लोधी, दिलीप अहिंवार, प्रदेश उपाध्यक्ष नंदिता पाठक, प्रदेश महामंत्री एवं सांसद डॉ. लता वानखेड़े, राहुल सिंह, सांसद महेश केवट एवं प्रदेश मंत्री अर्चना सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बूथ से जिला स्तर तक पूरे वर्ष सक्रिय रहें कार्यकर्ता

अजय जामवाल ने कहा कि संगठन की मजबूती केवल चुनाव के समय की सक्रियता से नहीं आती। बूथ से जिला स्तर तक कार्यकर्ताओं को पूरे वर्ष सक्रिय रहना चाहिए। प्रत्येक बूथ पर मजबूत टीम, पन्ना प्रमुखों की व्यवस्था और घर-घर संपर्क की योजना



प्रभावी हो। मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ स्तर की बैठकों का नियमित क्रम बने तथा उनमें लिए गए निर्णयों की समीक्षा भी की जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसेवक के रूप में 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चल रहा सेवा संकल्प अभियान समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचने का माध्यम बने। स्कूलों में चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं, आंगनवाड़ी और अन्य सेवा गतिविधियों के जरिए अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जाए।

30 सितंबर तक संगठनात्मक कार्य पूरा करने के निर्देश

जामवाल ने कहा कि जिन जिलों में मंडल,

शक्ति केंद्र अथवा अन्य संगठनात्मक रचनाओं का काम पूरा नहीं हुआ है, उसे 30 सितंबर तक पूरा किया जाए। लाभार्थियों से भी निरंतर संपर्क रखा जाए और उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं को समझा जाए। युवाओं को सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने के साथ पर्यावरण, जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त वातावरण, स्वदेशी और सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पुराने कार्यकर्ताओं की जानकारी संकलित कर उनके परिवारों से संपर्क किया जाए। 6 अप्रैल पार्टी स्थापना दिवस और 25 सितंबर पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर वरिष्ठ कार्यकर्ताओं एवं उनके परिवारों को जोड़कर कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

संगठन की गतिविधियां बूथ तक पहुंचाएं : रणदिवे

प्रदेश महामंत्री एवं संभाग प्रभारी गौरव रणदिवे ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी प्राथमिकता से पूरी करे। पार्टी के कार्यक्रमों और अभियानों को बूथ स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचाते हुए कार्यकर्ताओं एवं आमजन की सहभागिता बढ़ाई जाए। जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी ने जिले में संगठनात्मक गतिविधियों, बूथ स्तर की तैयारियों और सेवा संकल्प अभियान की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के अनुभव और मार्गदर्शन के साथ संगठन की गतिविधियों को प्रत्येक बूथ तक पहुंचाया जाएगा।

बैठक में सागर ग्रामीण जिला अध्यक्ष रानी कुशवाहा, टीकमगढ़ की सरोज राजपूत, छतरपुर के चन्दभान सिंह, दमोह के श्याम शिवहर, पन्ना के बृजेंद्र मिश्रा एवं निवाड़ी के राजेश पटेरिया ने संगठनात्मक वृत्त प्रस्तुत किया। संचालन प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी लालरिया, देवरी विधायक बृज बिहारी पटेरिया, सागर जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत, महापौर संगीता तिवारी, नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिंवार सहित संभाग के जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।



डिजिटल लत से दूर कर संस्कृति से जुड़ रहे बच्चे, पूर्वमंत्री गोपाल भार्गव की अनूठी पहल

रहली। 'हल्लो के राजा' नाम से प्रसिद्ध जय भारत गणेश मंडल द्वारा विराजित महागणपति की विशाल प्रतिमा की महाआरती में पहुंचे पूर्व मंत्री और क्षेत्रीय विधायक गोपाल भार्गव ने युवाओं व बच्चों को लेकर एक महत्वपूर्ण बात कही। पंडाल में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि आजकल बच्चे मोबाइल और इंटरनेट की नकारात्मकता में अपना समय ज्यादा बिता रहे हैं। भले ही कुछ दिनों के लिए सही, लेकिन बच्चों को इस डिजिटल लत से दूर कर बुद्धि के दाता गणपति जी की आराधना से जोड़ने का प्रयास में वर्षों से कर रहा हूँ। भार्गव के संबोधित करते हुए कहा कि गणेश उत्सव को लेकर बच्चों और युवाओं में विशेष उमंग उत्पन्न होती जाती है। आर्थिक या पारिवारिक कारणों से जो बच्चे स्थापना नहीं कर पाते थे, उन्हें वर्षों से पूरी विधानसभा में मिट्टी की गणेश प्रतिमाएं, पूजन सामग्री और पूजन विधान की विधि निःशुल्क वितरित की जा रही है। पूर्व मंत्री ने बताया कि बच्चों को अपनी पौराणिक परंपराओं और मिट्टी के गणेश जी से जोड़कर उन्हें अपार आनंद की अनुभूति होती है। पूर्व मंत्री ने क्षेत्रवासियों से भी अपील की कि वे बच्चों को टीवी और मोबाइल के बजाय धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजनों में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर नया अध्यक्ष देवराज सोनी, पार्षद,राजेंद्र ठाकुर, प्रियेश पटेरिया, समिति से नरहरी तिवारी, पंडित सत्यनारायण तिवारी, एस के शर्मा, धर्मेन्द्र प्रजापति, सहित दिव्यांश तिवारी, सतीश ठाकुर, शुभम विश्वकर्मा, सावन विश्वकर्मा, अन्नू पटेल,गौव श्रीवास्तव, प्रवीण श्रीवास्तव, मुकेश पटेल, अभिषेक, गोल्डी जैन, राजू सेन, अजय सेन सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अतिवर्षा से फसलों को हुए नुकसान पर पूर्व गृह मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा

खुरई। पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र लिख कर खुरई विधानसभा क्षेत्र में अति वर्षा से खरीफ फसलों को हुये नुकसान व अफलन का सर्वे कराये की मांग का आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि खुरई विधानसभा क्षेत्र में अति वर्षा की स्थिति से उड़द एवं सोयाबीन की फसलों में व्यापक क्षति हुई है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव को लिखे पत्र में पूर्व गृहमंत्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा है कि मेरे विधानसभा क्षेत्र खुरई अन्तर्गत अनेक ग्रामों में किसानों की खरीफ फसलों को लगातार बारिश होने से अत्यधिक नुकसान हुआ है। इससे अनेक स्थानों पर उड़द एवं सोयाबीन की तैयार फसलों की क्षति हुई है। किसानों द्वारा अवगत कराया गया है कि उड़द में 50 से 60 प्रतिशत फसल फलियों में बने अंकुरित होने अथवा अफलन के कारण सड़ चुकी हैं तथा सोयाबीन में अफलन से 25 से 30 प्रतिशत तक का नुकसान हुआ है। किसानों द्वारा फसल का सर्वे कराये जाने व उचित मुआवजा दिलाये जाने हेतु अनुरोध किया है। पत्र में खुरई विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत खरीफ फसल उड़द व सोयाबीन का शीघ्र सर्वे कराये जाने तथा मुआवजा स्वीकृति हेतु उचित दिशा-निर्देश देने का अनुरोध मुख्यमंत्री से किया गया है।



पीएम श्री स्कूल रहली में हुआ कार्यक्रम उमंग से ही जिंदगी में रंग है

रहली। पीएम श्री हाई स्कूल पंडलपुर' में उमंग दिवस उत्सव' का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगरपालिका उपाध्यक्ष ठल्लू माते ने फीता काटकर अभियान की गतिविधियों का औपचारिक शुभारंभ किया। प्राचार्य मनीष तिवारी द्वारा स्वागत एवं विस्तृत पाठ्यक्रम की जानकारी कार्यक्रम के प्रारंभ में दी गई। और मुख्य अतिथि एवं पधारे हुए समस्त अतिथियों का शॉल व श्रीफल भेंट कर स्वागत किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम का शुभारंभ उमंग दिवस एंथम (गीत) की सुमधुर एवं ऊर्जावान प्रस्तुति के साथ हुआ। अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई उत्कृष्ट चित्रकला व पॉपर्स की प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया तथा बच्चों की अद्भुत रचनात्मकता की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। निर्धारित सत्रवार गतिविधियों के आधार पर विद्यार्थियों ने अत्यंत जीवंत नाट्य रूपांतरण प्रस्तुत किए और कई मनोरंजक गतिविधियां अतिथियों के समक्ष करके दिखाई।मुख्य अतिथि ठल्लू माते ने संबोधित करते हुए कहा कि आज शासन स्तर पर बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सर्वांगीण विकास एवं उचित संसाधनों के लिए किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं रखी जा रही है। बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए हम सब प्रतिबद्ध हैं। मेरी समस्त अभिभावकों से यह विशेष अपील एवं विनम्र निवेदन है कि वे अपने बच्चों को विद्यालय में नियमित रूप से उपस्थित कराएं, ताकि वे इन योजनाओं और सामने नहीं आ पातीं। ऐसे कार्यक्रम उन्हें मंच और सही दिशा देने का काम करते हैं। सिलाई-कढ़ाई केवल कला नहीं, बल्कि घर बैठे सम्मानजनक आजीविका अर्जित करने का माध्यम भी बन सकती है।कार्यक्रम का आभार सुलोचना तिवारी ने व्यक्त किया। इस अवसर पर भारतीय स्त्री शक्ति की नगर अध्यक्ष डॉ. प्रज्ञा उपाध्याय, शैलवाला बैरागी, ज्योति गौतम सहित महिलाएं एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2025-26 हेतु आवेदन आमंत्रित

सागर। राज्य सैनिक बोर्ड द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत छात्रवृत्ति हेतु जिले में निवासरत पूर्व सैनिकों के अतिरिक्त बच्चों एवं पूर्व सैनिक विधवाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक आवेदक कक्षा 1 से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तक के लिए अपना आवेदन दिनांक 23 नवम्बर 2026 तक जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, सागर में ऑनलाइन प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।अधिक जानकारी एवं आवेदन प्रक्रिया हेतु जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, सागर से संपर्क किया जा सकता है।

गणेश विसर्जन से पहले नदी घाटों का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज | गढ़ाकोटा

गणेश प्रतिमा विसर्जन पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए गुरुवार को नायब तहसीलदार महेश दुबे एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी धनंजय गुमस्ता ने सुनार नदी एवं गंदरी नदी के विभिन्न घाटों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, जेनरेटर, बैरिकेडिंग एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिए कि विसर्जन के दौरान घाटों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। नदी में नहरे पानी वाले स्थानों को चिन्हित कर बैरिकेडिंग कराने

तथा आवश्यक सुरक्षा इंतजाम करने के निर्देश भी दिए गए। बड़ी गणेश प्रतिमाओं का हाइड्रोलिक मशीन से तथा छोटी प्रतिमाओं का नाव के माध्यम से विसर्जन कराया जाएगा। विसर्जन के दौरान गोताखोरों की तैनाती रहेगी। अधिकारियों ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर विशेष सावधानी बरतने और उन्हें नदी घाटों से दूर रखने के निर्देश दिए। श्रद्धालुओं से प्रशासन द्वारा निर्धारित स्थान पर ही प्रतिमाओं का विसर्जन करने तथा नदी की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग की अपील की गई। निरीक्षण के दौरान राजस्व प्रभारी मोहिसन खान, लेखपाल प्रभारी अमित सेन, प्रभारी आरआई सुशील जैन एवं पटवारी अरुण श्रीवास्तव सहित संबंधित कर्मचारी मौजूद रहे।

आत्मनिर्भर सागर अभियान के तहत कौशल विकास योजना का शुभारंभ, हुनर को बनाया आत्मनिर्भरता का माध्यम

हरिभूमि न्यूज | सागर

भारतीय स्त्री शक्ति मध्यप्रदेश द्वारा 'आत्मनिर्भर सागर अभियान' के अंतर्गत निःशुल्क प्रशिक्षण कौशल विकास योजना का शुभारंभ गुरुवार को संजीवनी बाल आश्रम में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। योजना के तहत बालिकाओं एवं महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण करके उन्हें कौशल के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भारतीय स्त्री शक्ति मध्यप्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रतिभा तिवारी ने कहा कि शिक्षा और हुनर ऐसा धन है, जिसे कोई चुरा नहीं सकता। यही व्यक्ति को हर परिस्थिति में आत्मनिर्भर बनाने की ताकत देता है। सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र बालिकाओं और महिलाओं को अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर देगा। उन्होंने कहा कि जब एक महिला या बालिका हुनरमंद बनती है तो उसका प्रभाव पूरे परिवार और समाज पर पड़ता है। यह प्रशिक्षण केवल कपड़े सिलने तक सीमित नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और



स्वाभिमान बढ़ाने का माध्यम भी है। प्रशिक्षण प्राप्त कर महिलाएं स्वरोजगार शुरू कर अपने सपनों को नई उड़ान दे सकती हैं।

हुनर को बनाएं अपनी ताकत

मुख्य अतिथि शासकीय कन्या महाविद्यालय सागर की प्राध्यापक डॉ. पद्मा आचार्य ने कहा

कि नारी सशक्तिकरण का सबसे मजबूत आधार उसका स्वावलंबी होना है। यह प्रशिक्षण केंद्र बेटियों और बहनों के सुनहरे भविष्य तथा आत्मनिर्भरता की नींव रखने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि शुरुआत में सुई में धागा पिरोने से लेकर कपड़े की कटाई तक

बछोड़ा में पेड़ पर मिला महिला का शव, कुएं में तैरते मिले दो बच्चों के शव बीस दिन में दूसरी बार मां और मासूमों की मौत से दहला दिगौड़ा

हरिभूमि न्यूज
 टीकमगढ़

जिले के दिगौड़ा थाना क्षेत्र में महज 20 दिन के भीतर ही फांसी लगाकर मां और मासूम बच्चों की मौत से जुड़ी दूसरी घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। गुरुवार सुबह ग्राम बछोड़ा के लाडुगंज मोहल्ले में खेत के पेड़ पर 25 वर्षीय रश्मि कुशवाहा का शव फंदे से लटका मिला, जबकि कुछ ही दूरी पर स्थित कुएं में उसकी छह वर्षीय बेटी पूर्वा और चार वर्षीय बेटे हार्दिक के शव तैरते मिले। एक साथ तीन शव मिलने की खबर फैलते ही गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पर दिगौड़ा थाना प्रभारी मनीष मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वरिष्ठ अधिकारियों ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। दिगौड़ा पुलिस के मुताबिक प्रथम दृष्टया घटनाक्रम आत्महत्या से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। आशंका है कि महिला ने पहले दोनों बच्चों को कुएं में धकेला और इसके बाद स्वयं पेड़ पर फांसी लगा ली। हालांकि पुलिस इसे अंतिम निष्कर्ष नहीं मान रही है और हत्या सहित सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है। घटनास्थल से मिले साक्ष्य, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयानों के आधार पर ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

घटना के बाद मृतका के मायके पक्ष ने रश्मि और उसके दोनों बच्चों की हत्या किए



20 दिन पहले रतनगुवा में भी मां-बेटे की मौत

दिगौड़ा थाना क्षेत्र में यह ऐसी दूसरी घटना है, जिसने पुलिस और ग्रामीणों को चिंता में डाल दिया है। क्योंकि इसी माह में 2 सितंबर को ग्राम रतनगुवा के पूनोल नाला क्षेत्र में संजना और उसके डेढ़ वर्षीय बेटे युवराज के शव फांसी पर लटके मिले थे। पुलिस के अनुसार घटना के समय संजना का पति भूपेंद्र एक दोस्त के साथ घर से बाहर गया था। दोपहर करीब एक बजे संजना की सास कमरे में पहुंची तो मां-बेटे को फांसी पर लटका देखा था। इस मामले में पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराया था और आरंभ के तुरंत ससुराल पक्ष के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर प्रताड़ना के आरोप लगाए थे, जिनकी पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

लगातार दूसरी घटना ने खड़े किए कई सवाल

रतनगुवा की घटना के महज 20 दिन बाद बछोड़ा में मां और उसके दो मासूम बच्चों की आत्महत्या ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि दोनों घटनाओं की परिस्थितियां अलग-अलग हैं और इनके बीच किसी प्रत्यक्ष संबंध की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन लगातार सामने आई इन घटनाओं ने पारिवारिक विवाद, महिलाओं की सुरक्षा और घरेलू परिस्थितियों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। किलहाल बछोड़ा मामले में आत्महत्या की आशंका और हत्या के आरोपों के बीच पुलिस की जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल की जांच और दोनों पक्षों के बयानों के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि तीनों की मौत किन परिस्थितियों में हुई। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जाने का आरोप लगाया है। परिजनों ने उसके पति राहुल कुशवाहा और ससुर कनछेदी पर रश्मि को प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि राहुल शराब के नशे में रश्मि के साथ मारपीट करता था। पारिवारिक विवाद के चलते कुछ

दिन पहले रश्मि बच्चों के साथ मायके चली गई थी। परिजनों के अनुसार बाद में राहुल उसे यह भरोसा दिलाकर वापस ससुराल ले गया था कि अब उसके साथ मारपीट नहीं की जाएगी। ससुराल लौटने के कुछ ही दिन बाद तीनों की मौत की घटना सामने आने से

मायके पक्ष ने गंभीर सवाल उठाए हैं। परिजनों के अनुसार रश्मि ने पूर्व में भी पारिवारिक विवाद के चलते कौटनाशक पीकर जान देने का प्रयास किया था, लेकिन समय पर उपचार मिलने से उसकी जान बच गई थी।

दिव्यांग बच्चों को खेलों से जोड़ने शुरू हुआ खेल जागरूकता मिशन



टीकमगढ़। बच्चों और युवाओं को खेलों के प्रति जागरूक करने तथा विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों की खेल प्रतिभाओं को सामने लाने के उद्देश्य से एक्टिव लाइफ सोशल वेल्फेयर एंड स्पोर्ट्स सोसाइटी द्वारा जिला स्तरीय खेल जागरूकता मिशन की शुरुआत पलेरा से की गई है। अभियान के माध्यम से बच्चों को

खेलों से जोड़ने के साथ उन्हें शारीरिक शिक्षा, स्वास्थ्य और नियमित शारीरिक गतिविधियों के महत्व की जानकारी दी जाएगी। सोसाइटी की सचिव प्रियंका वैद्य ने जानकारी देते हुये बताया कि जिला स्तरीय अभियान के तहत टीकमगढ़ जिले के सरकारी एवं निजी स्कूलों में खेल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में खेलों के प्रति रुचि पैदा करना और उन्हें पढ़ाई के साथ शारीरिक गतिविधियों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों का खेलों से जुड़ना उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि अभियान में दिव्यांग बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। ऐसे बच्चों को उनकी क्षमता और रुचि के अनुसार विभिन्न खेल गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि उनमें खेलों के प्रति आत्मविश्वास बढ़े और वे अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ा सकें। सोसाइटी का प्रयास है कि अधिक से अधिक दिव्यांग बच्चे खेल गतिविधियों में सहभागिता करें और उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर मिलें। अभियान के दौरान विद्यार्थियों को फिजिकल एजुकेशन के महत्व, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, नियमित व्यायाम और खेलों के जीवन में योगदान के बारे में जानकारी दी जाएगी। बच्चों को यह भी समझाया जाएगा कि खेल केवल प्रतियोगिता या मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली और व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। पलेरा से शुरू किए गए इस अभियान को जिले के अन्य स्कूलों तक पहुंचाने की तैयारी है। सरकारी और निजी विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को भी खेल गतिविधियों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान विनय प्रताप सिंह, सजल सर्वेजन, श्रवण सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। सोसाइटी ने उम्मीद जताई कि सामूहिक प्रयासों से जिले में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार होगा।

40 साल से राम नाम की साधना लिख चुके 10 करोड़ बार राम

हरिभूमि न्यूज
 टीकमगढ़

शिवधाम कुंडेश्वर जमझार में एक छोटी-सी किराना दुकान चलाने वाले 70 वर्षीय मोहनलाल अहिरवार की रामभक्ति इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। सामान्य जीवन जीते हुए मोहनलाल पिछले करीब 40 वर्षों से राम नाम लेखन की साधना में जुटे हैं। उनका दावा है कि अब तक वे लगभग 10 करोड़ बार श्री सीताराम और राम नाम लिख चुके हैं। उनका कहना है कि वे यह साधना व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि गौ, मानव, देश और विश्व कल्याण की कामना से कर रहे हैं।



मोहनलाल बताते हैं कि उन्होंने वर्ष 1986 में श्री सीताराम नाम लिखना शुरू किया था। धीरे-धीरे राम नाम लेखन उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गया और वे इसमें पूरी तरह रमते चले गए। वे अंतरराष्ट्रीय श्री सीताराम नाम बैक, श्री मणिराम दास छावनी सेवा ट्रस्ट, अयोध्यापुरी से जुड़े हुए हैं और नियमित रूप से लिखे गए राम नाम बैक में जमा कराते रहे हैं।

मोहनलाल के अनुसार वर्ष 1997 तक उन्होंने एक करोड़ बार श्री सीताराम नाम लिखकर अयोध्या स्थित नाम बैक में जमा कराया था। अधिक संख्या में राम नाम लेखन के

लिए उन्हें बैंक के संस्थापक महंत नृत्य गोपाल दास महाराज द्वारा 17 दिसंबर 1997 को अयोध्या बुलाया गया। वहां उन्हें स्वर्ण पदक और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस सम्मान के बाद उनकी राम नाम लेखन की साधना और गहरी होती चली गई। मोहनलाल के अनुसार वर्ष 1997 से 2018 के बीच उन्होंने लगभग 4 करोड़ 75 हजार बार श्री सीताराम नाम लिखकर जमा कराया। इसके बाद पिछले करीब आठ वर्षों में उन्होंने लगभग 2.5 करोड़ नाम और लिखकर जमा किए। वर्ष 2019 से वे श्री सीताराम के स्थान पर केवल राम नाम लिख रहे हैं। मोहनलाल की राम नाम साधना का एक खास तरीका भी है। उनका कहना है कि वे करीब 25 से 30 मिनट में ॐ की आकृति में 150 बार राम नाम लिख देते हैं। कागज पर लिखे नाम देखने में रंगोली की तरह दिखाई देते हैं। वे प्रतिदिन अधिकतम करीब 7 हजार बार राम नाम लिखने का प्रयास करते हैं।

राम नाम लेखन के लिए इस्तेमाल होने वाले कागज और उसकी वार्डिंग का खर्च भी वे स्वयं उठाते हैं। सीमित आर्थिक संसाधनों के बावजूद उनकी साधना में कोई कमी नहीं आई है। किराना दुकान चलाने के साथ वे समय निकालकर नियमित रूप से राम नाम लिखते हैं।

जल मित्र, जल सखी और समिति सदस्यों का प्रशिक्षण पानी समिति संभालेगी जल व्यवस्था, जल स्रोतों की निगरानी व गुणवत्ता जांच की जिम्मेदारी



हरिभूमि न्यूज
 टीकमगढ़

ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को मजबूत बनाने, जल स्रोतों के संरक्षण और जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियाव्यवण को लेकर बुन्देलखण्ड सेवा संस्थान, टीकमगढ़ द्वारा बगान माता स्थित मांझी धर्मशाला में पानी समिति प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राधापुर, सुन्दरपुर, लार खास, बड़माड़ई खास, बड़माड़ई रिगौरा, नन्नीटेहरी, नैनवारी और पातरखेड़ा ग्राम पंचायतों से आए पानी समिति सदस्यों, जल मित्र, जल सखियों और ग्रामीणों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके बाद विभिन्न ग्राम पंचायतों से पहुंचे प्रतिभागियों का स्वागत किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान बुन्देलखण्ड सेवा संस्थान के प्रमुख वासुदेव सिंह ने पानी समितियों की भूमिका और जिम्मेदारियों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गांवों में पेयजल व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के साथ जल स्रोतों की

देखरेख, पानी की गुणवत्ता की निगरानी, जल संरक्षण और ग्रामीणों को जागरूक करने में पानी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। ग्राम पंचायत राधापुर के सरपंच मनोज लोधी ने पंचायत के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि पंचायत में वर्ष 2016 से ग्रामीणों को नल-जल योजना का लाभ मिल रहा है। ग्रामीणों द्वारा नियमित रूप से जल कर का भुगतान किया जा रहा है, जिससे पंप ऑपरेटर के मानदेय के साथ पानी की टंकी, पाइपलाइन और अन्य जल संरचनाओं में होने वाली टूट-फूट की मरम्मत में सहायता मिलती है। उन्होंने बताया कि बुन्देलखण्ड सेवा संस्थान के सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा समय-समय पर पेयजल स्रोतों के पानी की जांच भी जाती है। इससे ग्रामीणों को पानी की गुणवत्ता और सुरक्षित पेयजल के महत्व के प्रति जागरूक करने में मदद मिल रही है। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप खरे ने जल संरक्षण और पानी के सदुपयोग पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने

कहा कि जल जीवन का आधार है, इसलिए पानी की बर्बादी रोकना और भविष्य के लिए जल स्रोतों को सुरक्षित रखना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जल मित्र, जल सखियों, पानी समिति सदस्यों और बुन्देलखण्ड सेवा संस्थान के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बगान माता प्रांगण में साफ-सफाई अभियान भी चलाया। इस दौरान पेयजल स्रोतों की नियमित जांच कराने और ग्रामीणों को सुरक्षित पेयजल के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण पेयजल व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए पानी समिति, ग्राम पंचायत, जल मित्र, जल सखी और ग्रामीण समुदाय के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। जल स्रोतों की सुरक्षा, पानी की नियमित गुणवत्ता जांच, जल संरक्षण और नल-जल योजनाओं के रखरखाव में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से व्यवस्था को और मजबूत किया जा सकता है।

कार्यक्रम में बुन्देलखण्ड सेवा संस्थान के प्रमुख वासुदेव सिंह, विवेक सिंह, परियोजना समन्वयक कुलदीप सिंह सहित सामुदायिक सामाजिक कार्यकर्ता श्यामलाल, मनोज कुमार, दशरथ प्रसाद, राहुल रैकवार, बालकिशन, रीना, नैसी और मुमताज बानो समेत आठ ग्राम पंचायतों से आए जल मित्र, जल सखी, पानी समिति सदस्य एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे।



गणेश विसर्जन से पहले जागा नपा अमला, महेंद्र सागर तालाब का किया निरीक्षण

टीकमगढ़। अमृत चतुर्दशी पर गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन और इसके बाद शुरू होने वाले पितृ पक्ष को देखते हुए नगर पालिका ने शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। गुरुवार को नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार ने पार्षदों के साथ महेंद्र सागर तालाब स्थित विसर्जन कुंड और घाटों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सफाई कर्मचारियों को घाटों और तालाब परिसर में विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नपाध्यक्ष अब्दुल गफ्फार ने विसर्जन स्थल को साफ-सफाई की स्थिति देखी और संबंधित कर्मचारियों को तत्काल आवश्यक सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए घाटों पर पर्याप्त सफाई और आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं। नपाध्यक्ष ने निरीक्षण के बाद शहर के विभिन्न इलाकों का भी दौरा कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को नियमित रूप से सफाई कराने तथा सार्वजनिक स्थानों पर कचरा जमा नहीं होने देने के निर्देश दिए। साथ ही त्योहारों के दौरान विशेष निगरानी रखने को कहा। नपाध्यक्ष अब्दुल गफ्फार ने कहा कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था नगर पालिका की प्रथमिकता है। त्योहारों को देखते हुए महेंद्र सागर तालाब, विसर्जन कुंड, घाटों सहित शहर के प्रमुख स्थानों पर विशेष सफाई कराई जाएगी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए और कर्मचारियों द्वारा लगातार निगरानी रखी जाए। उन्होंने विसर्जन कुंड पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने के साथ बड़ी गणेश प्रतिमाओं के सुरक्षित विसर्जन के लिए केन की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। नगर पालिका द्वारा अमृत चतुर्दशी के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और विसर्जन स्थल की व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रखने के लिए तैयारियां की जा रही हैं।

युवाओं को सामाजिक दायित्व से जोड़ने का अभियान सेवा संकल्प यात्रा ने रखा कदम जनसेवा संकल्पमय हुआ जिला

हरिभूमि न्यूज
 टीकमगढ़

सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत संचालित जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा ने गुरुवार को टीकमगढ़ जिले में प्रवेश किया। बल्देवगढ़ जनपद क्षेत्र और सेवा इमलीघाट में जिले की सीमा पर यात्रा के पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों ने आत्मीय स्वागत किया। सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और जनभागीदारी के संदेश के साथ जिले में पहुंची यह यात्रा आगामी दिनों में विभिन्न गांवों और कस्बों में सामाजिक सेरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों को गति देगी।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चल रहे कार्यक्रमों में जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा को विशेष महत्व दिया गया है। इसे सेवा संकल्प बाइक यात्रा के रूप में भी संचालित किया जा रहा है। अभियान का प्रमुख उद्देश्य युवाओं को सामाजिक दायित्वों से जोड़ना, सेवा कार्यों में जनभागीदारी बढ़ाना तथा सामाजिक सहभागिता के माध्यम से विकसित भारत-2047 के संकल्प को मजबूत करना है।

बताया गया कि यह सेवा यात्रा देश के 10 राज्यों, 193 जिलों, 773 तहसीलों और 1159 से अधिक स्थानों तक पहुंच रही है। यात्रा के दौरान गांवों और कस्बों में लोगों को सामाजिक सेवा से जोड़ते हुए वृक्षारोपण, स्वच्छता



अभियान, जल संरक्षण, जल स्रोतों के पुनरुद्धार तथा विद्यार्थियों के साथ संवाद जैसी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसके माध्यम से युवाओं को केवल दर्शक नहीं, बल्कि समाज निर्माण में सक्रिय भागीदार बनाने का प्रयास किया जा रहा है। सेवा संकल्प अभियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ागांव धसान में स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया। शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण के साथ लोगों को रक्तदान के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के दौरान युवाओं और आम नागरिकों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में समाज की भागीदारी बढ़ सके।

टीकमगढ़ जिले में सेवा संकल्प अभियान की गतिविधियों की शुरुआत आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम से की गई। प्रसिद्ध नजरबाग परिसर, संजीवनी क्लीनिकों और विभिन्न

वार्डों सहित जिले के प्रमुख स्थानों पर अभियान से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके बाद जिले के प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र पर विशेष आंगन मिलन कार्यक्रमों के माध्यम से स्थानीय नागरिकों को अभियान से जोड़ने की पहल की जा रही है।

अभियान के दौरान जिले के तालाबों, ऐतिहासिक धरोहरों, अस्पतालों, मंदिरों और पार्कों में व्यापक स्वच्छता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। जल स्रोतों की साफ-सफाई और उनके पुनरुद्धार के साथ लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ ही वर्षा जल के संरक्षण और भविष्य की जल जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जनभागीदारी से जल संरक्षण का संदेश गांव-गांव तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। सेवा संकल्प अभियान में पर्यावरण संरक्षण को भी प्रमुख स्थान दिया गया है। जिले के विभिन्न सरकारी परिसरों और शैक्षणिक संस्थानों में सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

सक्षम आंगनबाड़ियों की हकीकत जानने कलेक्टर ने सोशल मीडिया पर जारी की 315 सक्षम केंद्रों की सूची

अब जनता बताएगी हकीकत: कलेक्टर श्रोत्रिय की अभिनव पहल

हरिभूमि न्यूज
 टीकमगढ़

शासन की योजनाओं और सुविधाओं की जमीनी हकीकत जानने के लिए अब प्रशासन के साथ जिले की जनता भी निगरानी में भागीदार बनेगी। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की वास्तविक स्थिति सामने लाने के लिए जिलेवासियों से सीधे सहयोग की अपील की है। प्रशासन द्वारा सक्षम आंगनबाड़ियों की सूची सार्वजनिक कर नागरिकों से अपने गांव के केंद्र पर जाकर सुविधाओं का जायजा लेने और कमी मिलने पर 181 पर शिकायत दर्ज कराने को कहा गया है।

सक्षम आंगनबाड़ियों को मिली ये सुविधाएं

कलेक्टर श्रोत्रिय ने बताया कि सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों को सामान्य आंगनबाड़ियों की तुलना में अतिरिक्त सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। इन केंद्रों में बच्चों के लिए टीवी, आरओ अथवा फिल्टर युक्त पेयजल, पोषण



वाटिका, वर्षा जल संचयन व्यवस्था, बड़े आकार के खिलौने, छोटी कुर्सियां, उपयुक्त फर्नीचर तथा शिक्षण एवं खेल सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। इन सुविधाओं का उद्देश्य बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों में बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उनके पोषण, सीखने और सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना है।

प्रशासन ने माना, कुछ केंद्रों पर सुविधाओं की कमी

कलेक्टर श्रोत्रिय ने बताया कि प्रशासन को जानकारी मिली है कि जिले की कुछ सक्षम आंगनबाड़ियों में निर्धारित सभी सुविधाएं अभी तक पूरी तरह उपलब्ध नहीं हो सकी हैं। इसी के मद्देनजर प्रशासन ने केवल विभागीय स्तर पर निगरानी करने के बजाय जनता को भी सत्यापन की प्रक्रिया से

जोड़ने का निर्णय लिया है। इसके तहत जिलेवासियों से कहा गया है कि वे सार्वजनिक की गई सूची में अपने गांव की सक्षम आंगनबाड़ी का नाम देखें और स्वयं केंद्र पर पहुंचकर वहां उपलब्ध सुविधाओं की स्थिति का जायजा लें। इससे कागजों में दर्ज सुविधाओं और वास्तविक स्थिति के बीच यदि कोई अंतर है तो उसकी जानकारी सीधे प्रशासन तक पहुंच सकेगी।

योजनाओं की निगरानी में जनता बनेगी भागीदार

कलेक्टर श्रोत्रिय की इस पहल में सरकारी व्यवस्थाओं की निगरानी को जनभागीदारी से जोड़ने का प्रयास दिखाई दे रहा है। सक्षम आंगनबाड़ियों की सूची सार्वजनिक कर ग्रामीणों से स्वयं मौके पर जाकर स्थिति देखने की अपील किए जाने से जमीनी सत्यापन का दायरा विभागीय निरीक्षण से आगे बढ़कर आम नागरिकों तक पहुंच रहा है। आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को बेहतर पोषण, सीखने और खेलने का वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति सामने आने के बाद प्रशासन को आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाइयों में मदद मिलेगी। कलेक्टर श्रोत्रिय की अपील के बाद अब निगाह इस बात पर रहेगी कि जिले के गांवों से सामने आने वाली शिकायतों पर प्रशासन कितनी तेजी से कार्रवाई करता है।

कमी मिले तो 181 पर करें शिकायत

कलेक्टर श्रोत्रिय ने जिलेवासियों से अपील की है कि सक्षम आंगनबाड़ी में यदि टीवी, स्वच्छ पेयजल, खेल एवं शिक्षण सामग्री, फर्नीचर, पोषण वाटिका, वर्षा जल संचयन या अन्य निर्धारित सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, तो इसकी शिकायत 181 हेल्पलाइन पर दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि नागरिकों की ओर से मिलने वाली जानकारी से प्रशासन को कमियों को चिन्हित करने और उन्हें दूर कराने में मदद मिलेगी। उन्होंने जिलेवासियों से आग्रह किया कि इसे केवल शिकायत करने की प्रक्रिया के रूप में न देखते हुए बच्चों के बेहतर भविष्य से जुड़ी जनभागीदारी के रूप में लिया जाए। नागरिकों का सहयोग मिलने से आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं में सुधार के साथ यह भी सुनिश्चित किया जा सकेगा कि शासन द्वारा बच्चों के लिए स्वीकृत सुविधाएं वास्तव में उन तक पहुंच रही हैं।

भोपाल से मंजूरी का मिला आश्वासन, जल्द धरातल पर उतरेगा सीवेज ट्रीटमेंट प्लान

प्रदूषण मुक्त होगी सीप नदी एसटीपी से जुड़ेगे सभी नाले

हरिभूमि न्यूज़ ►►श्योपुर

विभिन्न 18 गंदे नालों के माध्यम से शहर भर की गंदगी अपने में समेटे हुए सीप नदी को शायद अब गंदगी से मुक्ति मिल जाने की उम्मीदें भोपाल से मंजूरी पर अटक ही हुई हैं। हालांकि सकारात्मक खबर यह भी है कि 17 सितंबर को सेवा संकल्प समर्पण अभियान के नोडल अधिकारी के रूप में श्योपुर पहुंचे नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत एस.भोंडवे (आईएसएस) द्वारा दिए गए आश्वासन के बाद इसकी स्वीकृति में आ रही सभी अड़चने दूर होने की उम्मीद बंध गई है।

अगर सबकुछ ठीक रहा तो जल्द ही सीप नदी को भी नालों की गंदगी से मुक्ति मिल जाएगी। शहर की जीवनरेखा माने जाने वाली सीप नदी को प्रदूषण से मुक्त करने का सपना तो दो साल पहले तब देखा गया था जब अमृत योजना के तहत परिषद ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लान बनाकर शासन से स्वीकृति मांगी थी। लेकिन वित्तीय स्वीकृति के बाद भी यह कवायद शुरू नहीं



तीन प्रमुख स्थानों पर बनेंगे एसटीपी

पहला सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट सलापुरा नहर के पास मुक्तिधाम क्षेत्र में स्थापित किया जाएगा। दूसरा प्लांट किलागेट के समीप बनेगा, जबकि तीसरा एसटीपी बंजारा डैम स्थित हनुमान मंदिर के पास प्रस्तावित है। इन तीनों एसटीपी के माध्यम से शहर के अधिकांश नालों का गंदा पानी ट्रीट किया जाएगा, जिससे सीप नदी में पहुंचने वाला प्रदूषण काफी हद तक कम हो जाएगा। हालांकि अमरला नदी के पास स्टैडियम के पीछे चौथा एसटीपी प्लांट प्रस्तावित है लेकिन उसमें बदलाव कर दिया गया था अब यहां एक छोटा ऑटोमेटेड सिस्टम लगाया जाएगा, जो एक उच्चत फिल्ट्रेशन यूनिट की तरह काम करेगा। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उस क्षेत्र से निकलने वाला गंदा पानी सीधे नदी में न पहुंचे और प्रारंभिक स्तर पर ही उसका शोधन हो सके।

हो सकी।

नपा सूत्रों की माने तो करीब 17 करोड़ रुपए की लागत से शहर में तीन आधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट (एसटीपी) प्लांट बनाए जाएंगे,

जिनका निर्माण वैसे तो 18 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। लेकिन यह कवायद तब मानी जाएगी जब भोपाल से स्वीकृति मिल जाएगी। फिलहाल

नपाध्यक्ष ने दिलाया आयुक्त का ध्यान

17 सितंबर को सेवा संकल्प समर्पण अभियान के नोडल अधिकारी के रूप में श्योपुर पहुंचे नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत एस. भोंडवे को भ्रमण के दौरान नपाध्यक्ष रेनु सुजीत वर्मा ने बताया कि सीप नदी शहर के लिए जीवन रेखा मानी जाती है पर इसमें जो 18 नाले गिर रहे हैं उससे नदी नाला बनकर रह गई है। इसका अस्तित्व बचाने के लिए एसटीपी के तहत प्लानिंग डिजाइन सहित बनाकर भोपाल भेजी है स्वीकृति मिल जाए तो काम शुरू किया जा सकता है। आयुक्त ने नपाध्यक्ष को इस संबंध में आश्वासन दिया कि वह भोपाल पहुंचकर फाइल को खुद व्यक्तिगत इंटरसेल लेकर देखेंगे और हर संभव प्रयास करेंगे कि इसे स्वीकृति मिल जाए।

ऐसे काम करेंगे प्लांट

पहले तो तीन स्थानों पर आधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट (एसटीपी) तैयार किए जाएंगे और फिर शहर के सभी 18 नालों को एक दूसरे से जोड़कर एसटीपी में उतारा जाएगा। एसटीपी नालों के पानी से पॉलीथीन कचरा और पानी को दूषित करने वाले तत्वों को दूर करेगा। पानी शुद्धिकरण के बाद सीप में प्रवाहित किया जाएगा जिससे कदरे के साथ-साथ सीप में पानी के साथ बिगले तत्व नदी में न पहुंचें। इससे सीप नदी के पुराने दिन लौटने की उम्मीद है।

तो सारी ताकत भोपाल से स्वीकृति दिलाने पर लगी हुई है। अगर पालिका अधिकारियों के अनुसार, एसटीपी निर्माण को लेकर सभी आवश्यक प्रारंभिक सर्वे पूरे कर

इनका कहना...

एसटीपी तहत नालों को जोड़कर गंदगी को सीप में जाने से रोकने के लिए प्लानिंग तैयार कर ली गई है। कोलकाता की कंपनी से डिजाइन तैयार करवाया गया है। उसे स्वीकृति के लिए भोपाल भेजा है जैसे ही स्वीकृति मिलेगी तो काम करने के प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

विनोद त्यागी उपग्रंथी नपा परिषद श्योपुर लिए गए हैं। निर्माण एजेंसी द्वारा प्रस्तावित प्लांट स्थलों का तकनीकी परीक्षण भी किया जा जा रहा है। अब प्लांट की ड्राइंग और डिजाइन को स्वीकृति के लिए भोपाल भेजा गया है।

पैसा एक्ट अंतर्गत गठित तदर्थ समितियों को सशक्त बनाया जाए:रावत

श्योपुर। पैसा एक्ट अंतर्गत गठित तदर्थ ग्राम समितियों को सशक्त बनाया जाए तथा पैसा कानून अंतर्गत किये गये प्रावधानों की जानकारी देने के लिए समिति सदस्यों का उन्मुखीकरण किया जाए। साथही अनुसूचित जनजाति वर्ग के कल्याण के लिए संचालित समस्त योजनाओं का लाभ पत्र हितवाहियों को मिले, शिक्षा, रोजगार के साथ ही विभिन्न बुनियादी सुविधाओं में एसटी वर्ग को लाभ सुनिश्चित किया जाये। सभी पात्र बच्चों को छात्रवृत्ति का लाभ मिलना चाहिए तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि के चलते कोई भी बच्चा लाभ से शेष न रहे। यह बात जनजातीय प्रकोष्ठ लोक भवन के विधि विशेषज्ञ बीएस रावत ने कलेक्टर शीला दाहिमा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जनजाति वर्ग से संबंधित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा के दौरान कही। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक के दौरान विधि सलाहकार राकेश सहरिया, डीएफओ सामन्य केएस रंधा, सीईओ जिला पंचायत कार्तिकेय जायसवाल, एसडीएम कराहल बीएस श्रीवारस्तव, डिप्टी कलेक्टर विजय शाक्य, सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण राकेश गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर शीला दाहिमा ने समीक्षा बैठक के दौरान जनजाति कार्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि पीएम जनमन योजना के तहत 287 आदि सेवा केन्द्र बनाये गये है, इन केन्द्रों की सुचारु किया जाये तथा पीएम जनमन योजना अंतर्गत सडक, आंगनबाडी केन्द्र, नलजल योजनाओं आदि के कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण कराया जाये। इस अवसर पर सहायक आयुक्त राकेश गुप्ता ने बताया कि जिले में 44 हजार 42 सहरिया मुखिया महिलाओं को पोषण आहार अनुदान योजना के तहत प्रत्येक माह 1500 रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से प्रदान की जा रही है। पीएम जनमन योजना अंतर्गत 249 एवं धरती आवा आंगनबाडी अंतर्गत 254 ग्रामों में विभिन्न कार्य संचालित है। इसके साथ ही एसटी के 15 छात्रवासों एवं 37 आश्रमों में विद्यार्थियों को प्रदाय की जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इसके साथ ही बताया गया कि कराहल में 50 लाख की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य प्रगतिरत है, इसी प्रकार टिकटोली में 5 करोड की लागत से सहरिया जनजातीय सांस्कृतिक केन्द्र भवन का निर्माण शुरू कर दिया गया है। पीएम जनमन के तहत 95 आंगनबाडी भवन स्वीकृत हुए, जिनमें से 35 आंगनबाडी भवन पूर्ण हो गये है तथा शेष का कार्य प्रगति पर है। ईई आरईएस अगरीया ने बताया कि पीएम जनमन अंतर्गत 24 मल्टीपरपज सेंटर निर्माण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।



मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत आवदा में जनसंवाद कार्यक्रम कल

श्योपुर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत श्योपुर जिले में 26 सितंबर को जनसंवाद कार्यक्रम आदिवासी विकासखण्ड कराहल के ग्राम आवदा में आयोजित होगा। इस दौरान अधिकारियों के दलों द्वारा कलस्टर में शामिल सभी ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर शासकीय संस्थाओं, परिसंपत्तियों तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की स्थिति का आकलन किया जायेगा। शासन निर्देशानुसार 25 सितंबर को अन्ततः पटुशुओं को दृष्टिगत रखते हुए अगले दिन कार्यक्रम आयोजन के संबंध में दिये गये निर्देशो के क्रम में जनसंवाद कार्यक्रम 26 सितंबर को आयोजित होगा। कलेक्टर शीला दाहिमा के निर्देशन में 26 सितंबर को आवदा कलस्टर पर आयोजित होने वाले जनसंवाद कार्यक्रम में ग्राम पंचायत आवदा सहित बंघाली, बावडीवापा, कैलोर, सलमान्वा, सुबहन्ना, सजजुपुरा, मालीपुरा, पहेला, सूखवाडा, झिरन्वा, गोरस, बुधारी, बर्धाखुर्द एवं रोडी शामिल रहेंगे। इस अभियान के दौरान क्षेत्र भ्रमण, निरीक्षण एवं जनसंवाद के माध्यम से आम लोगों की शिकायतों का निराकरण किया जाएगा तथा शासकीय योजनाओं की निगरानी के साथ ही कल्याणकारी योजनाओं में शेष पात्र लोगों को लाभ देने की कार्यवाही की जाएगी।

चंबल नदी के राजघाट की तर्ज पर होगा चंबल सफारी का संचालन, तैयारियां शुरू

नवंबर में त्रिवेणी संगम में शुरू होगी चंबल सफारी, वोटिंग का आनंद ले सकेंगे पर्यटक !

हरिभूमि न्यूज़ ►►श्योपुर

चंबल नदी में चंबल सफारी के शुरू होने का काफी दिनों से इंतजार कर रहे श्योपुर जिले के लोगों का यह इंतजार अब जल्द ही खत्म हो जाएगा। ऐसा इसलिए कि राष्ट्रीय चंबल घडियाल अभ्यारण्य विभाग के द्वारा चंबल नदी के त्रिवेणी संगम रामेश्वर घाट पर मग्न के श्योपुर जिले की सीमा में चंबल सफारी का संचालन शुरू करने की तैयारियां आरंभ कर दी हैं। उम्मीद जलाई जा रही है कि जिस तरह रामेश्वर घाट पर चंबल सफारी को शुरू किया जाने की तैयारियां विभागीय स्तर पर चल रही है, उसे देखकर लग रहा है कि चंबल सफारी शुरू करने की सारी कार्रवाई अक्टूबर माह के अंत तक पूरी हो जाएगी और नवंबर के प्रथम सप्ताह से ही पर्यटक वोटिंग के जरिए चंबल नदी में घूमने का लुत्फ उठा सकेंगे।

बता दें कि चंबल नदी में



बनेगा टिकट काउंटर, पेयजल भी सुविधा भी होगी विकसित

श्योपुर जिले में चंबल नदी के रामेश्वर घाट पर शुरू होने जा रही चंबल सफारी का आनंद लेने के लिए जो पर्यटक पहुंचेंगे, उन्हें वोटिंग का लुफ टिकट लेने के बाद मिलेगा। इसलिए रामेश्वर घाट पर चंबल सफारी के लिए टिकट काउंटर बनाया जाएगा। वहीं पर्यटकों के लिए पेयजल की सुविधा और महिला व पुरुष पर्यटकों के लिए अलग अलग शौचालय की सुविधा भी विकसित की जाएगी। विभागीय स्तर पर इसके निर्माण की मंजूरी मिलने के बाद इन सुविधाओं को उपलब्ध कराए जाने की कवायद शुरू हो गई है।

राजस्थान के सर्वाईमाधोपुर जिले की सीमा में पाली घाट पर चंबल सफारी का संचालन राजस्थान के

चंबल घडियाल अभ्यारण्य विभाग के द्वारा किया जा रहा है। जिसे देखकर श्योपुर जिले के लोग भी

पर्यटकों के लिए चलेगी दो वोट, मिली मंजूरी

विभागीय सूत्रों की माने तो चंबल नदी के रामेश्वर घाट पर चंबल सफारी की शुरूआत किए जाने की तैयारियां इन दिनों विभागीय स्तर पर जोरशोर के साथ चल रही हैं। बताया जा रहा है कि चंबल नदी में चंबल सफारी के दौरान 2 वोट संचालित की जाएंगी। क्योंकि विभागीय स्तर पर 2 वोट संचालित किए जाने की अनुमति मिल गई है। दो वोट के जरिए पर्यटक टिकट लेकर चंबल नदी में दो तीन किलोमीटर के क्षेत्र में घूमने का लुफ उठा सकेंगे।

काफी दिनों से चंबल नदी की श्योपुर जिले की सीमा में भी चंबल सफारी शुरू होने का इंतजार कर रहे है। जिले के लोगों को यह इंतजार इसलिए भी बढ गया था,क्योंकि करीब सात साल पहले श्योपुर जिले की सीमा में पाली घाट पर चंबल सफारी का शुभारंभ मग्न के तत्कालीन वनमंत्री के हाथो हो गया था। लेकिन इसके बाद चंबल सफारी की शुरूआत आज तक भी नहीं हो सकी है। लेकिन अब विभागीय स्तर पर चंबल सफारी का संचालन चंबल नदी के रामेश्वर घाट पर शुरू किए जाने की तैयारियां की जा रही है। विभागीय अधिकारियों की माने तो पुरेना जिले में चंबल

इनका कहना...

चंबल नदी के रामेश्वर घाट पर चंबल सफारी शुरू होगी। इसके लिए विभागीय स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। पूरी उम्मीद है कि नवंबर के मध्य साप्ताह से चंबल सफारी के तहत 2 वोटों का संचालन चंबल नदी में शुरू हो जाएगा।

संदीप रावत एसडीओ चंबल घडियाल अभ्यारण्य, श्योपुर

नदी के राजघाट पर जिस तरह चंबल सफारी संचालित हो रही है,उसी तर्ज पर चंबल सफारी श्योपुर जिले के त्रिवेणी संगम रामेश्वर घाट पर संचालित होगी।

ठीक 11 बजे जिले के छह स्कूलों में होगा कार्यक्रम, तैयारियां पूरी आज एक साथ, एक स्वर और एक लय में होगा वंदेमारतम का सामूहिक गायन, बनेगा विश्व रिकॉर्ड

हरिभूमि न्यूज़ ►►श्योपुर

25 सितंबर को समूचे भारत में ठीक 11 बजे एक साथ, एक स्वर और एक लय में वंदेमामतरम के सामूहिक गायन का विश्व रिकॉर्ड बनेगा। जिसका साक्षी श्योपुर जिला भी बनेगा। क्योंकि यह ऐतिहासिक कार्यक्रम शहर श्योपुर के सरस्वती शिशु मंदिर समेत जिले के छह विद्यालयों में आयोजित होगा। इसमें श्योपुर जिले के विद्यार्थी और राष्ट्रवादी नागरिक बड़ी संख्या में हिस्सेदारी करेंगे। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

उल्लेखनीय है कि इस साल वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस उपलक्ष्य में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के द्वारा 25 सितंबर को पूरे भारत में एक साथ, एक स्वर और एक लय में वंदेमातरम का सामूहिक गायन किए जाने का कार्यक्रम तय किया गया है। सामाजिक जन जागरण और भारत की आध्यात्मिक चेतना जगाने के उद्देश्य को लेकर आयोजित किए जा रहे इस कार्यक्रम को नमामि भारतम नाम दिया गया है। 25 सितंबर को यह कार्यक्रम श्योपुर



जिले में इन स्थानों पर होगा वंदे मातरम का गायन

श्योपुर जिले में 25 सितंबर को ठीक 11 बजे वंदे मातरम का सामूहिक गायन छह स्थानों पर आयोजित होगा। विद्या भारती द्वारा श्योपुर में संचालित सरस्वती शिशु मंदिर, सरस्वती शिशु मंदिर कराहल नवीन भवन, सरस्वती शिशु मंदिर पांडेला, सरस्वती शिशु मंदिर विजयपुर तथा ग्राम भारती शिक्षा समिति द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर सोईकला में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके साथही न्यू हॉरीजन विद्यालय श्योपुर में भी यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके लिए सभी वर्गवर्गित विद्यालयों में इस कार्यक्रम की सारी तैयारियां कर ली गई हैं।

सभी नागरिक करें सहभागिता

वंदे मातरम के सांूहिक गायन का देशव्यापी कार्यक्रम 25 सितंबर को ठीक 11 बजे श्योपुर जिले में छह विद्यालयों में आयोजित किया जाएगा। जिले के सभी नागरिक इस कार्यक्रम शामिल होकर बनने जा रहे नए विश्व रिकॉर्ड में अपनी सहभागिता प्रदान करें।

बालगिरी गोस्वामी कार्यक्रम जिला संयोजक, श्योपुर

जिले समेत पूरे देश में एक साथ सुबह 11 बजे होगा, जो 3 मिनट 13 सेकंड में पूरा होगा। विद्या भारती शिक्षा संस्थान ने इस कार्यक्रम में एक करोड़ लोगों के शामिल होने

का लक्ष्य रखा है। एक साथ होने वाले वंदे मातरम के इस सामूहिक गान को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा। इसकी भी सारी तैयारियां कर ली गई हैं।

सहरिया/चंबल अंचल के अनुष्ठानों पर दो दिवसीय परिस्वाद का समापन

सहरिया सांस्कृतिक पहचान बचाने सामूहिक प्रयास जरूरी:एडीएम

हरिभूमि न्यूज़ ►►श्योपुर

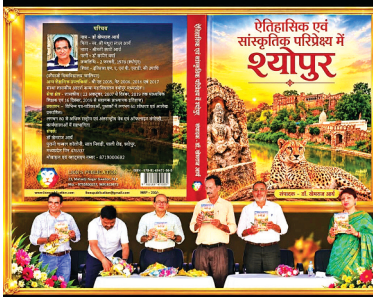
सहरिया जनजाति की समृद्ध लोक संस्कृति, लोकगीत, गायन शैली और चित्रकला परंपरा के संरक्षण के लिए ठोस प्रयास किए जाने आवश्यक है। सहरिया समुदाय की सांस्कृतिक परंपराओं का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण, संग्रहण और अभिलेखीकरण समय की आवश्यकता है। सहरिया जनजाति की जीवनशैली, लोकगीतों, गानन परंपराओं, चित्रकला और अन्य लोक अभिव्यक्तियों को व्यापक स्तर पर सामने लाने की आवश्यकता है, ताकि नई पीढ़ी इन परंपराओं से परिचित हो सके। यह बात सहरिया/चंबल अंचल के अनुष्ठानों पर दो दिवसीय परिसंवाद का समापन सत्र के मुख्य अतिथि एवं श्योपुर के अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय ने कही।

शासकीय आदर्श कन्या महाविद्यालय, श्योपुर के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय परिसंवाद में सहरिया समाज की परंपराओं, अनुष्ठानों, लोकज्ञान, भाषा, प्रकृति एवं बदलते सामाजिक परिवेश से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों एवं शोधार्थियों ने विचार-विमर्श किया। सहरिया जनजाति की सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं को जानने-समझने के लिए लोक कलाकारों एवं समुदाय की प्रस्तुतियों को अधिक अवसर मिलना चाहिए। अकादमी के निदेशक डॉ. धर्मेन्द्र पारे सहित अतिथियों ने विचार रखे। इस दौरान बजरंगा आदिवासी एवं उनके



जिले की सांस्कृतिक परिचायक बनेगी पुस्तक: डॉ. पारे

आंचलिक इतिहास को अपने में समेटने वाली पुस्तक संकटने क्षेत्र की विशिष्टता की परिचायक होती है। यही भूमिका डॉ. खेमराज आर्य की सद्यः प्रकाशित व लोकार्पित पुस्तक ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में श्योपुर' भी निभाएगी। इसे पढ़ कर लोग श्योपुर जिले की संस्कृति से परिचित व आकर्षित अवश्य होंगे। शासकीय आदर्श कन्या महाविद्यालय श्योपुर में उक्त विचार मुख्य अतिथि के रूप में भोपाल से आए डॉ. धर्मेद्र पारे ने व्यक्त किए। जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद के निदेशक डॉ पारे दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद कार्यक्रम के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। जिसके अंतर्गत इतिहास विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ खेमराज आर्य की पुस्तक ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में श्योपुर का विमोचन 23 सितम्बर को श्योपुर रूपेश उपाध्याय व डॉ एसडी राठौर द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रचार्य डॉ ओपी शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी डॉ श्याम लाल बामनिया, डॉ श्रीनिवास शर्मा, डॉ रमेश भारद्वाज, डॉ लोकेन्द्र जाट, डॉ सीमा चौधरी, डॉ परवीन वर्मा, डॉ महेश कुशवाहा, डॉ भूपेंद्र हरदेनिया सहित अनेक प्रतिभागों, प्रतिनिधि और शोधार्थी, विद्यार्थी उपस्थित थे। डॉ. खेमराज ने सभी अतिथियों व पुस्तक की भूमिका के लेखक वरिष्ठ पत्रकार व अग्रणी साहित्यकार प्रभात ऋणगर सहित सभी सहयोगियों व शुभचिंतकों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की है।



साथियों ने संक्रांति के अवसर पर किए जाने वाले पारंपरिक कृषि अनुष्ठान की सजीव प्रस्तुति दी। प्रस्तुति के माध्यम से कृषि, प्रकृति और सामुदायिक जीवन के बीच के

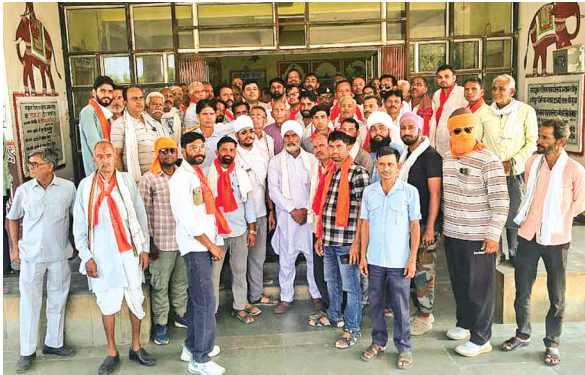
गहरे संबंध को अभिव्यक्त किया गया। पारंपरिक गायन, वादन एवं लोकाचार के माध्यम से जनजातीय सांस्कृतिक परंपरा की समृद्ध झलक प्रस्तुत की गई।

भाकिसं ने पहले मनाई बलराम जयंती, फिर बाइक रैली निकालकर सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज़ ►►श्योपुर

भारतीय किसान संघ की श्योपुर जिला इकाई ने बुधवार को भगवान बलराम की जयंती धूमधाम के साथ मनाई। शहर के पाली रोड स्थित जाट छात्रावास में बलराम जयंती उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने किसानों के आराध्य भगवान बलरामजी के चित्रपट के समक्ष दीप प्रज्वलन व पूजा अर्चना किए जाने के साथ किया।

इसके बाद आयोजित हुए किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए किसान संघ जिलाध्यक्ष नरेंद्र सिंह चौधरी ने संगठन की कार्यप्रणाली और किसान हितैषी मुद्दों पर बात रखी। वहीं संभागीय सह मंत्री मूलचंद मीणा ने अपने संबोधन के दौरान किसानों को आ रही व्यावहारिक समस्याओं एवं कृषि सुधारों पर अपने विचार व्यक्त किए। इसके बाद कार्यक्रम में उपस्थित किसान संघ पदाधिकारी व कार्यकर्ता तथा किसानों ने जाट छात्रावास से बाइक रैली शुरू की। दो कतारों में निकली यह बाइक रैली



शहर के पाली रोड,पटेल चौक, बड़ौदा रोड, पुल दरवाजा, ग्रामेश बाजार, मेन चौराहा, गोलनबर और जयस्तम्भ से शिवपुरी रोड होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची। जहां किसान संघ के द्वारा कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा गया। मुख्यमंत्री के नाम सौंपे गए इस ज्ञापन में भारतीय किसान संघ ने खेती किसानों, कृषि उपज मंडी, राजस्व और बिजली संबंधी जिले के किसानों को आ रही समस्याओं का उल्लेख करते हुए उनका समाधान जल्द से जल्द किए जाने की मांग जोरदारों के साथ उठाई। ज्ञापन सौंपने के बाद जाट

छात्रावास में सहभोज का आयोजन किया गया। किसान संघ जिलाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान किसान संघ जिला उपाध्यक्ष मुकेश मीणा, बरियाम सिंह, भीम सिंह जाट, बड़ौदा तहसील अध्यक्ष भूपेंद्र मीणा, कराहल तहसील अध्यक्ष, बलराम गुर्जर, तहसील अध्यक्ष अशोक मीणा, युवा प्रमुख जितेंद्र मीणा, ओमप्रकाश भारती एवं नाथूलाल मीणा सहित भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं किसान उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज
 अशोकनगर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज किए गये हैं। जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत देवेन्द्र शर्मा और राजेन्द्र शर्मा के साथ महेन्द्र आदिवासी, छोटेनाल सपेरा, गोविंद आदिवासी और। मानकुंवर बाई ने मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम नगेशी निवासी मायावती अहिरवार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी पप्पु अहिरवार ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के चंदेरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बेसरा निवासी रामकिशन वंशकार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी बालकिशन अहिरवार ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के कदवाया थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सकंरा निवासी हरिओम शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी बालकिशन, जयपाल, उदयभानु, पंजाब और चन्द्रभान गुर्जर ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के कदवाया थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सकरौ निवासी हरवार गुर्जर ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी सतीश,हरिश्चक्र अनिल, हरिओम,अजय शर्मा ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के मुंगावली थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम माधोपुर निवासी महाराज सिंह मोगिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी मीरकाबाद छोटू सांसी ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

फांसी लगाकर युवक ने की खुदकुशी
 अशोकनगर। जिले के शादौरा थाने के अंतर्गत नारायणादास गौशाला निवासी लालसाहब पुत्र शिब्बा आदिवासी उम्र 45 साल ने गौशाला की नर्सरी में अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली, जिस पर से पुलिस ने मर्ग का मामला दर्ज किया है,मामले की जांच की जा रही है।

वंदे मातरम के सामूहिक गायन से गुंजेगा मुंगावली
 मुंगावली। वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत देशभर के सरस्वती शिशु मंदिरों के माध्यम से 25 सितंबर को सुबह 11 बजे एक साथ एक स्वर और एक लय में वंदे मातरम के सांभूहिक गायन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, आचार्यों सहित सामान्य नागरिकों की सहभागिता रहेगी। आयोजन का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक स्वाभिमान एवं राष्ट्रभावना के प्रति जागरूकता पैदा करना है। विद्या भारती के अनुसार देशभर में एक करोड़ से अधिक लोगों द्वारा सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन किए जाने की योजना है इसी क्रम में मुंगावली नगर के सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में भी 25 सितंबर को सुबह 11 बजे संपूर्ण वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया जाएगा। विद्यालय के प्राचार्य बृज बिहारी त्रिपाठी ने बताया कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं बल्कि भारत की 150 वर्षों की संघर्ष यात्रा तथा करोड़ों देशवासियों के त्याग और बलिदान की भावना को अभिव्यक्त करने वाला राष्ट्रगीत है।

“सेवा चित्र” चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित अशोकनगर। पी.एम. कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अशोकनगर में सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत 23 सितंबर को सेवा चित्र चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता की थीम “पर्यावरण शिक्षा एवं सतत विकास 2047 रखो गई।” कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. विजय सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि के रूप में श्री कृष्ण यादव ने सहभागिता कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के 100 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, जल संरक्षण, हरित ऊर्जा, स्वच्छता एवं सतत विकास जैसे विषयों पर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

विधायक खटीक के निवास पर हंगामे का मामला, वायरल वीडियो को बताया साजिश

करैरा विधायक के समर्थन में उतरे जन प्रतिनिधि, चौकी प्रभारी को सौंपा ज्ञापन



घटना के बाद वायरल किया गया वीडियो

ज्ञापन का सबसे गंभीर हिस्सा वायरल वीडियो को लेकर है। इसमें आरोप है कि घटना के बाद आरोपियों ने सौंपी-समझी आपराधिक साजिश के तहत विधायक को सामाजिक और राजनीतिक रूप से बदनाम करने के इरादे से एक झूठा और आत्मक वीडियो तैयार किया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। अब पुलिस की जांच पर नजर ज्ञापन सौंपे जाने के बाद क्षेत्र में इस मामले को लेकर चर्चा तेज है। अब सबकी निगाहें पुलिस की जांच और आगे की कार्रवाई पर टिकी हैं। ज्ञापन में लगाए गए आरोपों की सत्यता जांच का विषय है।

विधायक के निवास पर पहुंचे। वे मुख्य द्वार (मेन गेट) को जोर-जोर से धक्का देने लगे। विधायक ने गेट खोला तो सभी उग्र होकर मांग करने लगे कि उनके मोहल्ले की बिजली अभी तकाल जुड़वाई जाए। विधायक ने समझाया, फिर भी नहीं माने ज्ञापन में कहा गया है कि विधायक खटीक ने पूरी विनम्रता से स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि रात का समय है और क्षेत्र में गणेश विसर्जन चल रहा है, जिसकी व्यवस्था में



बिजली विभाग के कर्मचारी लगे हुए हैं। उन्होंने सुबह आने को कहा और भरोसा दिलाया कि बिजली विभाग के अधिकारियों से बात कर बकाया बिल और बिजली की समस्या का समाधान करा दिया जाएगा। आरोप है कि इसके बावजूद वे लोग उग्र बने रहे। हमने आपको वोट दिया है, हमारी लाइट अभी जुड़वानी पड़ेगीर कहते हुए वे अभद्र भाषा का प्रयोग करने और हुड़दंग मचाने लगे।

शराब दुकान के सामने कोई भी असामाजिक तत्व न हों खड़े

कलेक्टर ने अधिकारियों की बैठक लेकर दिए निर्देश



हरिभूमि न्यूज़ ►► अशोकनगर

कलेक्टर साकेत मालवीय की अध्यक्षता में अवैध मंदिरा के विनिर्माण, संग्रहण, विक्रय एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने हेतु राजस्व/पुलिस विभाग के साथ संयुक्त कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिये गए। उन्होंने निर्देश दिए कि मंदिरा दुकान नियत समय पर खुले, बंद हो एवं मदिरा दुकानों के आसपास अन्यावश्यक तत्वों का जमावड़ा न हो यह सुनिश्चित करें। जिले में विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया जाकर किसी शराब की निर्माण/विक्रय के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करें। साथ ही मंदिरा दुकानों पर मदिरा का विक्रय निषांरित एस. एस. पी./एम.आर.पी. के अंतर्गत किया जाए। साथ ही बैठक में निर्देश दिए कि आबकारी नियमों एवं लाइसेंसों की शर्तों का पूर्णतरु पालन करना सुनिश्चित करें।

डेंगू एवं मलेरिया, मच्छर जनित बीमारियों के नियंत्रण हेतु स्वास्थ्य विभाग ने चलाया जागरूकता अभियान

अशोकनगर। जिला अशोकनगर में डेंगू एवं मलेरिया मच्छर जनित बीमारियों के नियंत्रण हेतु सघन लावां सर्वे एवं फीवर सर्वे शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कराया जा रहा है। समस्त ग्रामीण क्षेत्रों में आशा पर्वेक्षक, आशा कार्यकर्ता, एएनएम, सीएचओ सभी को निर्देश दिए गए हैं कि प्रत्येक गांव में फीवर सर्वे कर जितने भी फीवर के व्यक्ति मिलते हैं उनकी रक़ीबिंग डेंगू और मलेरिया की की जाए, एवं प्रत्येक घर में लावां नियंत्रण हेतु कार्यवाहियां कर एवं समझाइष दी जाए। जिससे कि मच्छर एवं लावां को नियंत्रित कर मलेरिया एवं डेंगू की बीमारी को नियंत्रित किया जा सके। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा ग्राम कुकरेटा महिदपुर एवं ग्राम कनलावदा कदवाया एवं ग्राम भररोली में विशेष लावां एवं फीवर सर्वे चलाया गया। कलेक्टर एवं मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी अशोकनगर के निर्देशन में जिला मलेरिया अधिकारी एवं मलेरिया कंसलटेंट द्वारा लावां सर्वे एवं फीवर सर्वे का सघन निरीक्षण क्षेत्र में किया जा रहा है।



डोल ग्यारस पर नगर भ्रमण पर निकले भगवान

हरिभूमि न्यूज़ ►► मुंगावली

मंगलवार को नगर में डोल ग्यारस पर्व बड़े ही धूमधाम और भक्ति भाव के साथ मनाया गया जिसमें श्रद्धालुओं द्वारा डोल ग्यारस पर भगवान को सुसज्जित डोलो में विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान श्रद्धालुओं



पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश सेवा संकल्प अभियान के तहत देवकनी माता मंदिर परिसर में किया गया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज़ ►► ईसागढ़

जन अभियान परिषद द्वारा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर के प्रसिद्ध देवकनी माता मंदिर परिसर में 101 पौधों का रोपण कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। पौधरोपण के लिए उपरिग फाउंडेशन द्वारा 101 पौधे उपलब्ध कराए गए। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए गए। उपस्थित लोगों ने पौधरोपण के साथ ही लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अधिकां से अधिक पौधरोपण करना आवश्यक है। पौधे लक्ष्मण के साथ उनकी देखभाल करना भी प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।



वृक्ष प्रकृति और पृथ्वी के लिए सबसे महत्वपूर्ण: सुशील बरुआ
 संगमगीय सम्मन्वयक क्वालियर सुशील बरुआ ने कहा कि वृक्ष प्रकृति और पृथ्वी के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं। पेड़-पौधे पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ मानव जीवन के लिए आवश्यक स्वच्छ वायु उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि आज लगाए गए पौधे आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन और पर्यावरण की सुरक्षा का आधार बनेंगे।

अशोकनगर-बीना-करैरा

‘ममत्व और परिग्रह का त्याग ही आर्किचन्य धर्म का सार’

हरिभूमि न्यूज़ ►► बीना

मनुष्य बाहरी वस्तुओं के संग्रह को ही अपना वैभव समझता है, जबकि वास्तविक वैभव उसके भीतर स्थित आत्मा में है। वस्तुओं के प्रति ममत्व और आसक्ति का त्याग करना ही आर्किचन्य धर्म का मूल संदेश है। उक्त उद्घाटन नाभिनंदन विगम्बर जैन मंदिर, बीना इटावा में दशधर्म के नवें दिन आर्किचन्य धर्म की व्याख्या करते हुए ओजस्वी वक्ता बाल ब्रह्मचारी सदीप सरल ने कही।

आगे उन्होंने कहा आर्किचन्य धर्म हमें सिखाता है कि संसार की नश्वर वस्तुओं में मोह बढ़ाने के बजाय अपने शाश्वत आत्मस्वरूप को पहचानने का प्रयास करना चाहिए। मनुष्य जितना अधिक परिग्रह और ममत्व में उलझता है, उतना ही आत्मिक शांति से दूर होता जाता है। धन-संपत्ति, वस्तुएं और सांसारिक वैभव जीवन में उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन इनके प्रति अत्यधिक आसक्ति ही बंधन का कारण बनती है।

उन्होंने कहा कि जिसे मनुष्य “मेरा” और “मेरे लिए” मानकर

सड़क किनारे खड़ी इलेक्ट्रिक स्कूटी में लगी आग

अशोकनगर। स्थानीय माता मंदिर रोड पर एक इलेक्ट्रिक स्कूटी में अचानक आग लग गई, आग लगने के बाद बैटरी फटने से धमाके हुए, लोगों ने उसे बुझाने की कोशिश की लेकिन स्कूटी धुं धुं कर जल गई। 3 महीने पहले इकरान खान ने इसे खरीदा था, आग वगैरे लगी यह पता नहीं है लेकिन संगमना साॅट सर्किट की बताई जा रही है।



अशोकनगर ने कबड्डी के फाइनल मुकाबले में श्योपुर को हराया

हरिभूमि न्यूज़ ►► अशोकनगर

अशोकनगर ने कबड्डी के फाइनल मुकाबलें में श्योपुर से खेलते श्योपुर की टीम को बड़े अंतराल 42 के मुकाबले 08 अंकों से हराते हुये टाफी पर कब्जा किया। भिण्ड में चल रही संभागीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता में अशोकनगर जिले से 17 वर्ष और 19 वर्ष की बालक, बालिकाओं की टीमें सम्मिलित हैं, जिसमें अशोकनगर की बालिकाओं ने पहला मैच मुरैना से खेलते हुये विजयी हुई जबकि दूसरे मैच में अशोक नगर को गुना के हाथों परास्त होते हुये टीम बाहर हुई, वहीं 19 वर्ष के बालकों की टीम ग्वालियर से 2 अंकों से हारते हुये टीम टूर्नामेंट से बाहर हुई, 19 वर्ष की बालिकाओं को भी सेमी फाइनल मैच में भी गुना के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

अंडर 17 वर्ष बालक वर्ग के खिलाड़ियों ने दोनों हारों का बदला चुकाते हुये पहले मुकाबले में अशोकनगर ने शानदार खेलते हुये मुरैना पर जीत दर्ज कराई, दूसरे मैच में शिवपुरी को हराते हुये अशोकनगर ने फाइनल में जगह बनाई, अशोकनगर ने फाइनल मुकाबलें में श्योपुर से खेलते श्योपुर की टीम को बड़े



अंतराल 42 के मुकाबले 08 अंकों से हराते हुये टाफी पर कब्जा किया। जिससे पुरी में खूशी की लहर दौड़ गई, टीमों के साथ गये दल प्रबंधक रोहित रघुवंशी, कोच आसिफ खान, महिला कोच रचना कौशल,आकिब खान और सेफाली मैडम के उत्कृष्ट मार्गदर्शन और अनुशासन पर खिलाड़ियों ने अपना दमखम दिखाते हुये जूनियर बालकों को विजयी होने का जवा प्रदान किया। अंडर 17 वर्ष के बालकों की विजयी होने पर जिला शिक्षा अधिकारी मधु शर्मा, मनोज राठौर, प्रहलाद श्रीवास्तव, शशिकांत भार्गव, शालिनी श्रीवास्तव, हार्दिक वैश्य, शैलेन्द्र अहिरवार ने शुभकामनायें दीं।

युवा संगम कार्यक्रम में 316 प्रारंभिक चयन व 258 को दिए ऑफर लेटर

अशोकनगर।

बुधवार को शासकीय महाविद्यालय परिसर ईसागढ़ में सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। युवा संगम कार्यक्रम में 316 का प्रारंभिक चयन व 258 को मौके पर ही दिये गये ऑफर लेटर। युवा संगम कार्यक्रम में 411 युवाओं ने पंजीयन कराया एवं इसमें 8 कंपनियों ने 316 का शॉर्टलिस्टिंग करते हुए 258 आकांक्षी युवाओं को मौके पर ही ऑफर लेटर प्रदान किये गए। युवा संगम में विभिन्न सेक्टर की निजी क्षेत्र



की कंपनियां शामिल हुईं जिनके द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से निजी क्षेत्र में रोजगार के लिए ऑफर लेटर उपलब्ध कराये गये। सेवा संकल्प अभियान के तहत युवा संगम अंतर्गत स्वरोजगार योजनाओं के 457 स्वरोजगारियों को 2 करोड़ 18 लाख का

किया गया हितलाभ वितरण

आयोजित कार्यक्रम में युवा संगम कार्यक्रम में विभिन्न विभागों ने अपने विभागों में संचालित योजनाओं की जानकारी दी और शासन की महत्वपूर्ण विभिन्न विभागों द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओ के 457 हितग्राहियों को 2 करोड़ 18 लाख का हितलाभ वितरण किये इसके साथ ही उपस्थित युवाओं को लीड बैंक अधिकारी द्वारा वित्तीय साक्षरता की जानकारी दी गई।

स्वार्थ का त्याग करना सबसे कठिन: मुनिश्री पर्यूषण पर्व के आठवें दिन की उत्तम त्याग धर्म की आराधना

हरिभूमि न्यूज़ ►► अशोकनगर

त्याग का अर्थ है छोड़ना या देना। उत्तम त्याग की बात है। दान और त्याग ये दो शब्द आते हैं। दोनों में थोड़ा सा अन्तर है। रागद्वेष से अपने को छुड़ाने का नाम त्याग है। वस्तुओं के प्रति रागद्वेष और मोह के अभाव को त्याग कहा जाता है।

यह बात मुनि श्री निरजंन सागर जी महाराज ने उत्तम त्याग धर्म के दिवस श्रद्धालुओं को संबोधित करते हए कही। उन्होंने कहा कि दान में भी रागभाव हटाया जाता है किन्तु जिस वस्तु का दान किया जाता है, उसके साथ किसी दूसरे के लिये देने का भाव भी रहता है। दान पर के निमित्त को लेकर किया जाता है, किन्तु त्याग में पर की कोई अपेक्षा नहीं रहती। किसी को देना नहीं है, मात्र छोड़ देना है। त्याग स्व को निमित्त बनाकर किया जाता है। दान रूप त्याग के द्वारा जो सुख प्राप्त होता है, वह अकेले स्व का नहीं बल्कि पर



का भी होता है। वृक्ष जब तक पूर्व पत्तों का त्याग नहीं करता, तब तक वृक्ष पर नये पत्ते नहीं लगते। बिना विसर्जन किये नये का सृजन सम्भव नहीं है। अवगुणों को छोड़ने का मन बना ले, उन्हें ग्रहण न करे, इसी का नाम त्याग है। परिग्रह को नियंत्रित करने का नाम ही दान है। देने वाला, लेने वाले को अपने से बड़ा मानता है, तब वास्तव में त्याग धर्म सफल होता है। भोगों से आज तक किसी ने पुण्य संचित नहीं किया है, पुण्य तो त्याग से संचित होता है।

हमने क्या-क्या छोड़ा और किसना छोड़ा यह महत्वपूर्ण नहीं है, इससे ज्यादा महत्वपूर्ण बात है कि कैसे छोड़ा? जीर्ण तृण के समान

अनुपयोगी या निरर्थक जानकर अत्यन्त निस्पृह-भाव से छोड़ा है तो वह त्याग श्रेष्ठ है। आचार्य कहते हैं षर, प्रीतिकरणा विसर्जनं त्यागः। दूसरों की प्रीति पाने के लिये दूसरे का उपकार करने की भावना से जो छोड़ा जाता है वह त्याग है। आहार और औषध दान देने से मोक्षमार्ग में प्रीति उत्पन्न होती है। ज्ञान-दान से धर्म के प्रति रूचि या प्रीति जाग्रत होती है। अभयदान देने वाला सबका प्रिय चाचा और भ्राता है। भामाशर्मा ने अपनी सारी सम्पदा प्रजा के हित में त्याग दी। गणेशप्रसाद जी वर्णों ने ज्ञान के प्रचार-प्रसार के लिये खूब प्रयत्न किया, विद्वत् जनों की प्रीति उनको मिली।